ई.एच.आई.–03

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2020 और जनवरी 2021 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.-03
भारत : 8वीं सदी से 15वीं सदी तक

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

सत्रीय कार्य
2020-2021

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.-03

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको बी.डी.पी. की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	कहां जमा करना है
जुलाई 2020 सत्र के लिए	31 मार्च 2021	पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।
जनवरी 2021 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2021	

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लीजिए।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें :

सत्रीय कार्य करने से पहले ध्यान रखें : सामाजिक विज्ञानों में किसी भी तरह के लेखन के लिए चार सोपान आवश्यक हैं। ये हैं (क) योजना (ख) वस्तु चयन (ग) प्रस्तुतीकरण (घ) व्याख्या

क) **योजना :** आपसे क्या प्रश्न पूछा गया है और उत्तर में क्या लिखना है। इस पर विचार कीजिए। इकाइयों का ठीक तरह से अध्ययन कीजिए। कुछ अतिरिक्त जानकारी चाहें तो पुस्तकालय का उपयोग कीजिए।

यह देखें कि प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना है या 250 शब्दों में या सिर्फ 100 शब्दों में। बड़े प्रश्नों के लिए विवरणों के साथ व्याख्या भी करनी होगी। तीसरे प्रकार के प्रश्न के उत्तर में संगत विवरणों को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

ख) **वस्तु चयन :** उत्तर देने के लिए आपको सही तथ्यों तथा विवरणों का चयन करना होगा। इसके लिए आप (i) अपनी इकाइयों से नोट्स लें (ii) तथ्यों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए अनावश्यक विवरण निकाल दें और (iii) उत्तर का पहला खाका लिख लें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप उत्तर में क्या सूचनाएं/विवरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

ग) **प्रस्तुतीकरण** : अब आप उत्तर का दूसरा खाका तैयार करें। इससे आप अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त कर सकेंगे। आप यह भी जान सकेंगे कि दी गयी शब्द सीमा में आप बात कैसे कह सकते हैं।

उत्तर का तीसरा और अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए और देखिए कि आपने सारी आवश्यक बातें अपेक्षित शब्द सीमा में प्रस्तुत की हैं या नहीं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या की प्रक्रिया का अनन्य स्थान है। आपकी योजना तथा वस्तु चयन में भी व्याख्या की झलक दिखाई देगी। संभवतः, शायद, क्योंकि, इसलिए, आदि शब्दों के साथ आपके वक्तव्य व्याख्या की झलक देते हैं। यहां आपको ध्यान रखना होगा कि आपके तथ्य आपके वक्तव्य का समर्थन करते हैं अथवा नहीं।

टिप्पणी : अगर आपके पास समय सीमित हो तो :

1) पहला प्रारूप तैयार करें, उत्तर की संगतता, शब्द सीमा, आदि पर ध्यान दें, और
2) अंतिम प्रारूप तैयार करें।

अब आप उत्तर लिखने के लिए तैयार होंगे।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
ई.एच.आई.-03
भारत : 8वीं सदी से 15वीं सदी तक

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.-03
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.आई.-03
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2020-2021
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखे हैं।
भाग 1: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. 8-13 शताब्दियों में नवीन सामाजिक मूल्यों तथा वातावरण के विकास का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

अथवा

प्रारम्भिक मध्यकालीन राजनीति की प्रकृति के परीक्षण संबंधी विभिन्न दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए। 20

2. तुर्की सुल्तानों की दक्खन नीति का परीक्षण कीजिए।

अथवा

खलजी वास्तुकला की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। तुगलक काल में इसके संरचनात्मक रूपों में क्या नवीन परिवर्तन आए? 20

भाग 2 : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में लिखिए।

3. राजपूतों के अधीन वंशीय शक्ति के निर्माण तथा सुदृढ़ीकरण का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

अथवा

नाडु, वालानाडु, नगरम् तथा *ब्रह्मदेय* के विशेष संदर्भ में 8-13वीं शताब्दियों में दक्षिण भारत की कृषीय तथा राजनीतिक संरचना का परीक्षण कीजिए। 12

4. तुर्की सफलता के कारणों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

अथवा

तुर्की सुल्तानों की भू-राजस्व प्रणाली की चर्चा कीजिए। 12

5. 13-15वीं शताब्दियों में कुओं से पानी निकालने के लिए प्रयुक्त विभिन्न तकनीकियों का वर्णन कीजिए।

अथवा

उत्तर भारत में भक्ति आन्दोलन के विकास पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 12

6. विजयनगर साम्राज्य में राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक जीवन में धर्म तथा धार्मिक वर्ग की क्या भूमिका थी?

अथवा

13-15वीं शताब्दियों में समाज तथा राजनीति में सूफियों की क्या भूमिका थी? 12

भागः 3 प्रत्येक का लगभग 100 शब्दों में उत्तर दीजिए। **6 + 6**

7. निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः

(i) वीर स्तम्भ

(ii) 8-13 वीं शताब्दियों में मध्य काल्पनिक वंशावलियों का गठन

(iii) अलाउद्दीन खलजी की बाज़ार नियंत्रण नीति

(iv) उर्दू भाषा का उदय और विकास